Department of History

Bharat Singh Rawat Rajkiya Mahavidhyalya Rikhnikhal

(Puari Garhwal)

Programme-: B.A. History (Semester Systems)

Course Instructor- Dr. MANOJ KISHOR NAUTIYAL

Time Alloted- 45 minute per lecture

Undergraduate Programme Outcome (POs)

Dr. Mahesh Chandra Arya
IQAC/NAAC Coordinator
BSR Rajkiya Mahavidhyalaya
Rikhnikhal (Pauri Garhwal)

प्राचार्य
भारत सिंह रावत
राजकीय महाविद्यालय रिखणीखाल
पौड़ी गढ़वाल

HISTORY

PROGRAMME OUTCOMES (POs) UG LABLE SEMESTER SYSTEMS

(कार्यक्रम के परिणाम पीओ) स्नातक कक्षा सेमेस्टर पाठ्यक्रम

PO 1 जानकारी : छात्र छात्रायें सामंतवाद का पतन एवं पतन के कारण, यूरोप में प्रारंभिक व आधुनिक युग के आरंभ के विषय में जानकारी के साथ-साथ विश्व के इतिहास को भी समझते हैं।

PO 2 समस्या विश्लेषण: छात्र अतीत की एक तार्किक समझ विकसित करते हैं जो उन्हें वर्तमान सामाजिक समस्याओं को ऐतिहासिक संदर्भ में समझने में सक्षम बनाता है।

PO 3 ऐतिहासिक अनुसंधान: अतीत से संबंधित विभिन्न और विविध मुद्दों के बारे में जानकारी उत्पन्न करने के लिए ऐतिहासिक शोध विधियों का उपयोग करते हैं।

PO 4 आधुनिक तरीकों का उपयोग: उपयुक्त तरीकों, तकनीकों, संसाधनों का चयन कर उन्हें ऐतिहासिक ज्ञान के सृजन और प्रसार के लिए आधुनिक आईटी उपकरण के विषय में जानकारी प्राप्त करते हैं।

PO 5 इतिहास और समाज: मानव अतीत के समाज, अर्थव्यवस्था, पर्यावरण, सांस्कृतिक और राजनीतिक और अन्य संबंधित की वर्तमान स्थिति में आकलन करते हैं।

PO 6 संचार: ऐतिहासिक शोध के परिणामों को लेखन के माध्यम से समझते हैं।

Dr. Mahesh Chandra Arya
IQAC/NAAC Coordinator
BSR Rajkiya Mahavidhyalaya
Rikhnikhal (Pauri Garhwal)

प्राचार्य
भारत सिंह रावत
राजकीय महाविद्यालय रिखणीखाल
पौड़ी गढ़वाल

Department of History

Bharat Singh Rawat Rajkiya Mahavidhyalya Rikhnikhal

(Puari Garhwal)

Programme-: B.A. History (Semester Systems)

Course Instructor- Dr. MANOJ KISHOR NAUTIYAL

Time Alloted- 45 minute per lecture

Undergraduate Programme Outcome (POs)

COURSE OUTCOMES (पाठ्यक्रम के परिणाम)

सेमेस्टर पाठ्यक्रम
प्रथम सेमेस्टर

पेपर प्रथम **प्रश्न पत्र** भारत का इतिहास (प्रारंभिक समय से 600 ईसा पूर्व तक)

CO 1 इकाई प्रथम में छात्र छात्रायें इतिहास ,अर्थ एवं परिभाषा , प्रकृति एवं प्रासंगिकता, प्राचीन भारतीय इतिहास जानने के स्रोत के विषय में जानकारी प्राप्त करेंगें।

CO 2 इकाई द्वितीय में छात्र छात्रायें प्रागैतिहासिक काल- पुरापाषाण काल ,मध्य पाषाण काल एवं नवपाषाण काल ,ताम्र पाषाण संस्कृति की जानकारी रखेंगें हैं।

CO 3 इकाई तृतीय में छात्र छात्रायें सिंधु घाटी की सभ्यता, समाज, अर्थव्यवस्था,नगर नियोजन एवं विशेषताओं के विभिन्न आयामों को समझेंगें।

CO 4 इकाई चतुर्थ में छात्र छात्रायें पूर्व एवं उत्तर वैदिक काल, समाज, अर्थव्यवस्था और धार्मिक स्थिति लौह- काल और महापाषाणीय संस्कृति के विषय मे जानकारी प्राप्त करेंगें।

Dr. Mahesh Chandra Arya
IQAC/NAAC Coordinator
BSR Rajkiya Mahavidhyalaya
Rikhnikhal (Pauri Garhwal)

प्राचार्य
भारत सिंह रावत
राजकीय महाविद्यालय रिखणीखाल
पौड़ी गढ़वाल

पेपर **द्वितीय भारत का इतिहास** (600 ईसा पूर्व से 185 ईसा पूर्व तक)

CO 1 इकाई प्रथम में छात्र छात्रायें **छठी शताब्दी ईसा पूर्व राजनीतिक, सामाजिक और आर्थिक स्थिति ,महाजनपद काल -16 महाजनपद** के विषय में जानकारी प्राप्त करेंगें।

CO 2 इकाई द्वितीय में छात्र छात्रायें **बौद्ध एवं जैन धर्म का उदय , इन की शिक्षाएं, इनका पतन एवं समाज के प्रति इनका योगदान** की जानकारी रखेंगें हैं।

CO 3 इकाई तृतीय में छात्र छात्रायें **मौर्य साम्राज्य का उदय , राजनीतिक, आर्थिक, सामाजिक,सांस्कृतिक ,एवं प्रशासनिक व्यवस्थाएं** को समझेंगें।

CO 4 इकाई चतुर्थ में छात्र छात्रायें **मौर्य साम्राज्य** के पतन के कारणों को समझेंगें।

द्वितीय सेमस्टर

पेपर प्रथम भारत का इतिहास (185 ईसा पूर्व से 647 ई तक)

CO 1 इकाई प्रथम में छात्र छात्रायें **उत्तर - मौर्य काल, शुंग, सातवाहन,शक , पार्थियन और कुषाण** के विषय में जानकारी प्राप्त करेंगें।

CO 2 इकाई द्वितीय में छात्र छात्रायें **संगम काल- राजनीतिक ,सामाजिक, आर्थिक, धार्मिक और प्रशासनिक व्यवस्था, चेर, चोल, पांडय, राजवंश का समाज के प्रति योगदान** की जानकारी रखेंगें हैं।

CO 3 इकाई तृतीय में छात्र छात्रायें **गुप्त साम्राज्य- राजनीतिक ,सामाजिक, आर्थिक, धार्मिक, एवं प्रशासनिक स्थिति, कला और स्थापत्य, साहित्य, विज्ञान और तकनीकी ,फाहियान ,एवं प्रशासनिक व्यवस्थाएं** को समझेंगें।

CO 4 इकाई चतुर्थ में छात्र छात्रायें **हर्षवर्धन प्रशासन एवं उपलब्धियां, समकालीन समय में बौद्ध धर्म ,नालंदा विश्वविद्यालय ,ह्वेनसांग** की जानकारी प्राप्त करेंगें।

पेपर द्वितीय भारत का इतिहास (647 ई से 1206 ई तक)

CO 1 इकाई प्रथम में छात्र छात्रायें **राजपूतों का उद्भव एवं विकास, राजनीतिक,आर्थिक और सामाजिक स्थिति** के विषय में जानकारी प्राप्त करेंगें।

CO 2 इकाई द्वितीय में छात्र छात्रायें **गुर्जर प्रतिहार ,पाल और राष्ट्रकूट राजवंश, राजनीतिक, आर्थिक और सामाजिक स्थिति, त्रिपक्षीय संघर्ष** की जानकारी रखेंगें हैं।

CO 3 इकाई तृतीय में छात्र छात्रायें **पल्लव और चालुक्य राजवंश, राजनीतिक, सामाजिक, आर्थिक और सांस्कृतिक स्थिति** सुदूर दक्षिण चोल राज वंशों के विषय में को समझेंगें।

CO 4 इकाई चतुर्थ में छात्र छात्रायें विदेशी आक्रमण अरब, गजनवी, और गौरी राजपूतों के पराजय के कारण की जानकारी प्राप्त करेंगें।

तृतीय सेमेस्टर

पेपर प्रथम भारत का इतिहास (1206 ई से 1526 ई तक)

CO 1 इकाई प्रथम में छात्र छात्रायें **मध्यकालीन भारतीय इतिहास जानने के स्रोत** के विषय में जानकारी प्राप्त करेंगें।

CO 2 इकाई द्वितीय में छात्र छात्रायें **दिल्ली सल्तनत स्थापना ,प्रभाव ,एवं विस्तार ,ममलूक, खिलजी ,तुगलक ,सैयद और लोधी राजवंश ,इनका प्रशासन ,नीतियां और दिल्ली सल्तनत का पतन** की जानकारी रखेंगें हैं।

Dr. Mahesh Chandra Arya
IQAC/NAAC Coordinator
BSR Rajkiya Mahavidhyalaya
Rikhnikhal (Pauri Garhwal)

प्राचार्य
भारत सिंह रावत
राजकीय महाविद्यालय रिखणीखाल
पौड़ी गढ़वाल

CO 3 इकाई तृतीय में छात्र छात्रायें भक्ति आंदोलन और सूफीवाद, कारण एवं समाज पर इनका प्रभाव के विषय को समझेंगें।

CO 4 इकाई चतुर्थ में छात्र छात्रायें : बिजयनगर और बहमनी साम्राज्य की जानकारी प्राप्त करेंगें।

पेपर द्वितीय भारत का इतिहास (1526 ई से 1707 ई तक)

CO 1 इकाई प्रथम में छात्र छात्रायें मुगलों का भारत आगमन, बाबर, हुमायूं, अकबर, जहांगीर, शाहजहां और औरंगजेब इनका प्रशासन और उनके कार्य स्थिति के विषय में जानकारी प्राप्त करेंगें।

CO 2 इकाई द्वितीय में छात्र छात्रायें मुगल और राजपूत मुगलों की धार्मिक नीति मनसबदारी और जागीर प्रथा की जानकारी रखेंगें हैं।

CO 3 इकाई तृतीय में छात्र छात्रायें शेरशाह सूरी ,विजय प्रशासन भूमि सुधार को समझेंगें।

CO 4 इकाई चतुर्थ में छात्र छात्रायें मराठा शक्ति का उदय और शिवाजी के पराजय के कारण की जानकारी प्राप्त करेंगें।

चतुर्थ सेमेस्टर

पेपर प्रथम भारत का इतिहास (1707 ई से 1857 ई तक)

CO 1 इकाई प्रथम में छात्र छात्रायें मुगल साम्राज्य का पतन और क्षेत्रीय शक्तियों का उदय के विषय में जानकारी प्राप्त करेंगें।

CO 2 इकाई द्वितीय में छात्र छात्रायें ईस्ट इंडिया कंपनी की स्थापना एवं विस्तार, बंगाल, मैसूर, अवध ,मराठा और पंजाब राज्य, सहायक संधि की जानकारी रखेंगें हैं।

CO 3 इकाई तृतीय में छात्र छात्रायें साम्राज्यवादी शासन में अर्थव्यवस्था में परिवर्तन,भूमि कर व्यवस्था एवं औद्योगिकीकरण आदि के विषय को समझेंगें।

CO 4 इकाई चतुर्थ में छात्र छात्रायें 1857 का विद्रोह कारण, प्रकृति एवं परिणाम की जानकारी प्राप्त करेंगें।

पेपर द्वितीय भारत का इतिहास (1858 ई से 1947 ई तक)

CO 1 इकाई प्रथम में छात्र छात्रायें विक्टोरिया घोषणा पत्र और 1858 का अधिनियम, राष्ट्रवाद का उदय और विकास के विषय में जानकारी प्राप्त करेंगें।

CO 2 इकाई द्वितीय में छात्र छात्रायें भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस उद्भव, उदारवादी एवं अतिवादी या उग्रवादी 1909 और 1919 का अधिनियम ,होम रूल आंदोलन की जानकारी रखेंगें हैं।

CO 3 इकाई तृतीय में छात्र छात्रायें गांधीवादी आंदोलन- असहयोग, सविनय अवज्ञा और भारत छोड़ो , खिलाफत आंदोलन, साइमन कमीशन ,गांधी और इरविन समझौता सांप्रदायिक निर्णय और गोलमेज सम्मेलन को समझेंगें।

CO 4 इकाई चतुर्थ में छात्र छात्रायें सांप्रदायिकता और भारत का विभाजन के कारण की जानकारी प्राप्त करेंगें।

पचंम सेमेस्टर

पेपर प्रथम प्रश्न पत्र विश्व का इतिहास : (1453 ईसवी से 1688 ईसवी तक)

CO 1 इकाई प्रथम में छात्र छात्रायें सामंतवाद का पतन एवं पतन के कारण , यूरोप में प्रारंभिक आधुनिक युग का आरंभ के विषय में जानकारी प्राप्त करेंगें।

Dr. Mahesh Chandra Arya
IQAC/NAAC Coordinator
BSR Rajkiya Mahavidhyalaya
Rikhnikhal (Pauri Garhwal)

प्राचार्य
भारत सिंह रावत
राजकीय महाविद्यालय रिखणीखाल
पौड़ी गढ़वाल

CO 2 इकाई द्वितीय में छात्र छात्रायें पुनर्जागरण एवं धर्म सुधार आंदोलन ,वाणिज्यवाद, वैज्ञानिक एवं कृषि क्रांति की जानकारी रखेंगें हैं।

CO 3 इकाई तृतीय में छात्र छात्रायें 30 वर्षीय युद्ध, कारण प्रकृति एवं प्रभाव के विभिन्न आयामों को समझेंगें।

CO 4 इकाई चतुर्थ में छात्र छात्रायें इंग्लैंड में गौरवशाली क्रांति 1688 कारण एवं परिणाम के विषय मे जानकारी प्राप्त करेंगें।

द्वितीय पेपर **विश्व का इतिहास : (1688 ईसवी से 1815 ईसवी तक)**

CO 1 **इकाई प्रथम में छात्र छात्रायें** औद्योगिक क्रांति के विकास, राजनीतिक, आर्थिक और सामाजिक स्थिति **के विषय में जानकारी रखेंगें।**

CO 2 इकाई द्वितीय में छात्र छात्रायें अमेरिकी क्रांति 1776 कारण एवं परिणाम, मानव के अधिकारों की घोषणा की गतिविधियों की जानकारी प्राप्त करेंगें।

CO 3 इकाई तृतीय में छात्र छात्रायें फ्रांस की क्रांति 1789 कारण एवं प्रभाव , इस क्रांति में दार्शनिकों की भूमिका नेशनल असेंबली अथवा राष्ट्रीय सभा, नेशनल कन्वेंशन और फ्रांस में डायरेक्टरी का शासन के विभिन्न आयामों को समझेंगें।

CO 4 इकाई चतुर्थ में छात्र छात्रायें नेपोलियन बोनापार्ट के विषय में जानकारी प्राप्त करेंगें।

षष्टम सेमेस्टर

पेपर प्रथम **प्रश्न पत्र विश्व का इतिहास** : (1815 ईसवी से 1914 ईसवी तक)

CO 5 इकाई प्रथम में छात्र छात्रायें वियना कांग्रेस ,यूरोप की संयुक्त व्यवस्था, मैटर निक, 1830 एवं 1848 की क्रांतियों के विषय में जानकारी रखेंगें।

CO 6 इकाई द्वितीय छात्र छात्रायें 1832 के सुधार और इंग्लैंड में चार्टिस्ट आन्दोलनों की गतिविधियों की जानकारी प्राप्त करेंगें।

CO 7 इकाई तृतीय में छात्र छात्रायें अमेरिका का के गृहयुद्ध के विभिन्न आयामों को समझेंगें।

CO 8 इकाई चतुर्थ में छात्र छात्रायें इटली का एकीकरण व जर्मनी का एकीकरण के विषय मे जानकारी प्राप्त करेंगें।

द्वितीय पेपर विश्व का इतिहास : (1914 ईसवी से 1945 ईसवी तक)

CO 1 इकाई प्रथम में छात्र छात्रायें प्रथम विश्वयुद्ध के कारण एवं प्रभाव व पेरिस शांति सम्मेलन की स्थिति के विषय को समझेंगें।

CO 2 इकाई द्वितीय में छात्र छात्रायें : रूस की क्रांति 1917की गतिविधियों की जानकारी रखेंगें।

Dr. Mahesh Chandra Arya
IQAC/NAAC Coordinator
BSR Rajkiya Mahavidhyalaya
Rikhnikhal (Pauri Garhwal)

प्राचार्य
भारत सिंह रावत
राजकीय महाविद्यालय रिखणीखाल
चौडी गढवाल

CO 3 इकाई तृतीय में छात्र छात्रायें **फासीवाद और नाजीवाद** के विभिन्न सामाजिक आयामों को समझेंगें।

CO 4 इकाई चतुर्थ में छात्र छात्रायें द्वितीय **विश्वयुद्ध** के **कारण एवं परिणाम** व **संयुक्त राष्ट्र संघ** के **कार्यो** की जानकारी प्राप्त करेंगें।

Dr. Mahesh Chandra Arya
IQAC/NAAC Coordinator
BSR Rajkiya Mahavidhyalaya
Rikhnikhal (Pauri Garhwal)

प्राचार्य
भारत सिंह रावत
राजकीय महाविद्यालय रिखणीखाल
पौड़ी गढ़वाल

HISTORY

PROGRAMME OUTCOMES (POs) UG LABLE FIFTH & SIXTH SEMESTER (कार्यक्रम के परिणाम पीओ) स्नातक कक्षा पंचम और षष्टम सेमेस्टर

Course Level: Under Graduate (UG) (Semester)
Course Instructor: Dr. Manoj Kishor Nautiyal
Time Allotted: 45 minutes per Lecture

PO 1 जानकारी : छात्र छात्रायें सामंतवाद का पतन एवं पतन के कारण , यूरोप में प्रारंभिक व आधुनिक युग के आरंभ के विषय में जानकारी के साथ-साथ विश्व के इतिहास को भी समझते हैं |

PO 2 समस्या विश्लेषण: छात्र अतीत की एक तार्किक समझ विकसित करते हैं जो उन्हें वर्तमान सामाजिक समस्याओं को ऐतिहासिक संदर्भ में समझने में सक्षम बनाता है।

PO 3 ऐतिहासिक अनुसंधान: अतीत से संबंधित विभिन्न और विविध मुद्दों के बारे में जानकारी उत्पन्न करने के लिए ऐतिहासिक शोध विधियों का उपयोग करते हैं।

PO 4 आधुनिक तरीकों का उपयोग: उपयुक्त तरीकों, तकनीकों, संसाधनों का चयन कर उन्हें ऐतिहासिक ज्ञान के सृजन और प्रसार के लिए आधुनिक आईटी उपकरण के विषय में जानकारी प्राप्त करते हैं।

PO 5 इतिहास और समाज: मानव अतीत के समाज, अर्थव्यवस्था, पर्यावरण, सांस्कृतिक और राजनीतिक और अन्य संबंधित की वर्तमान स्थिति में आकलन करते हैं।

PO 6 संचार: ऐतिहासिक शोध के परिणामों को लेखन के माध्यम से समझते हैं ।

Dr. Mahesh Chandra Arya
IQAC/NAAC Coordinator
SBR Rajkiya Mahavidhyalaya
Rikhnikhal (Pauri Garhwal)

प्राचार्य
भारत सिंह रावत
राजकीय महाविद्यालय रिखणीखाल
गौड़ी गढ़वाल

Department of History

Bharat Singh Rawat Rajkiya Mahavidhyalya Rikhnikhal

(Puari Garhwal)

Programme-: B.A. History (Yearly Systems)

Course Instructor- Dr. MANOJ KISHOR NAUTIYAL

Time Alloted- 45 minute per lecture

Undergraduate Programme Outcome (POs)

Dr. Mahesh Chandra Arya
IQAC/NAAC Coordinator
BSR Rajkiya Mahavidhyalaya
Rikhnikhal (Pauri Garhwal)

प्राचार्य
भारत सिंह रावत
राजकीय महाविद्यालय रिखणीखाल
पौड़ी गढ़वाल

SUBJECT HISTORY

PROGRAMME OUTCOMES (POs) UG LABLE (कार्यक्रम के परिणाम पीओ) स्नातक कक्षा

Course Level: Under Graduate (UG) (Annual)
Course Instructor: Dr. Manoj Kishor Nautiyal
Time Allotted: 45 minutes per Lecture

PO 1 जानकारी : छात्रों में अतीत के विषय में एक वैज्ञानिक समझ विकसित करती है जो उन्हें सक्षम बनाती है भारत के इतिहास के साथ-साथ विश्व के इतिहास को भी समझते हैं

PO 2 समस्या विश्लेषण: छात्र अतीत की एक तार्किक समझ विकसित करते हैं जो उन्हें वर्तमान सामाजिक समस्याओं को ऐतिहासिक संदर्भ में समझने में सक्षम बनाता है। छात्र मानव अतीत के सामाजिक, आर्थिक, सांस्कृतिक और राजनीतिक संरचनाओं की उत्पत्ति और विकास की गहन जानकारी प्राप्त करते हैं।

PO 3 ऐतिहासिक अनुसंधान: अतीत से संबंधित विभिन्न और विविध मुद्दों के बारे में जानकारी उत्पन्न करने के लिए ऐतिहासिक शोध विधियों का उपयोग करते हैं।

PO 4 संरक्षण और परिरक्षण: हिमालयी क्षेत्र की कला, संस्कृति और विरासत का संरक्षण और परिरक्षण के विषय में जानकारी प्राप्त करते है।

PO 5 आधुनिक तरीकों का उपयोग: उपयुक्त तरीकों, तकनीकों, संसाधनों का चयन कर उन्हें ऐतिहासिक ज्ञान के सृजन और प्रसार के लिए आधुनिक आईटी उपकरण के विषय में जानकारी प्राप्त करते हैं।
PO 6 इतिहास और समाज: मानव अतीत के समाज, अर्थव्यवस्था, पर्यावरण, सांस्कृतिक और राजनीतिक और अन्य संबंधित की वर्तमान स्थिति का आकलन करते है।

समस्याएँ

PO 7 करियर की संभावनाएं: विभिन्न विषयों के लिए विषय के महत्व को समझाते हुये उन्हें सक्षम बनाते हैं।

प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी

PO 8 व्यक्तिगत और टीम वर्क: एक व्यक्ति के रूप में प्रभावी ढंग से कार्य उन्हें सक्षम बनाते है।

PO 9 संचार: ऐतिहासिक शोध के परिणामों को लेखन के माध्यम से समझते हैं।

PO 10 जीवन भर सीखने की आवश्यकता को पहचानें और आलोचनात्मक मूल्यांकन की क्षमता को बनाते हुये, मानव अतीत की बेहतर समझ के लिए अतीत का विश्लेषण करते है।

Dr. Mahesh Chandra Arya
IQAC/NAAC Coordinator
BSR Rajkiya Mahavidhyalay
Rikhnikhal (Pauri Garhwal)

प्राचार्य
भारत सिंह रावत
राजकीय महाविद्यालय रिखणीखाल
पौड़ी गढ़वाल

Department of History

Bharat Singh Rawat Rajkiya Mahavidhyalya Rikhnikhal

(Puari Garhwal)

Programme-: B.A. History (Yearly Systems)

Course Instructor- Dr. MANOJ KISHOR NAUTIYAL

Time Alloted- 45 minute per lecture

Undergraduate Programme Outcome (POs)

COURSE OUTCOMES (पाठ्यक्रम के परिणाम)

बी0 ए0 प्रथम वर्ष

पेपर प्रथम (भारत का इतिहास) (प्रारंभिक समय से 185 ईसा पूर्व तक)

CO1 इकाई प्रथम छात्र प्रारंभिक भारतीय इतिहास के पाठ्यक्रम को आकार देने वाली ताकतों और कारकों की पहचान करने में सक्षम होंगे। छात्र प्राचीन भारतीय इतिहास के अध्ययन के लिए विभिन्न श्रेणियों के स्रोतों के बारे में एक महत्वपूर्ण जागरूकता विकसित करेंगे।

CO2 इकाई द्वितीय छात्र छात्रायें आदि मानव के उद्दभव, विकास एवं संग्रहकर्त्ता के रुप से भिज्ञ होंगें।

CO3 इकाई तृतीय में छात्र छात्रायें सिंधु सभ्यता और उनके समाज, आर्थिक व शहरीकरण की जानकारी प्राप्त करेंगें।

CO4 इकाई चतुर्थ में छात्र छात्रायें वैदिक कालीन समाजिक, आर्थिक, राजनितिक कारणों को व धार्मिक गतिविधियों की जानकारी रखेंगें।

Dr. Mahesh Chandra Arya
IQAC/NAAC Coordinator
BSR Rajkiya Mahavidhyalaya
Rikhnikhal (Pauri Garhwal)

प्राचार्य
भारत सिंह रावत
राजकीय महाविद्यालय रिखणीखाल
पौड़ी गढ़वाल

CO5 इकाई पंचम ऐतिहासिक परिप्रेक्ष्य में छात्र छात्रायें छठवीं शताव्दी के भारत की धार्मिक व राज्यों के उत्थान और पतन की प्रक्रिया को समझ सकेंगें।

CO6 इकाई छठवीं में छात्र छात्रायें बौद्ध और जैन धर्मो का समाज के प्रति योगदान को समझेंगें।

CO7 इकाई सातवीं में छात्र छात्रायें मौर्य साम्रज्य के विभिन्न आयामों व अशोक के धम्म को समझेंगें।

CO8 इकाई आठवीं में छात्र छात्रायें मौर्य साम्रज्य के पतन के कारणों को समझ सकेंगें।

द्वितीय पेपर (भारत का इतिहास) (185 ईसा पूर्व से 1206 ईस्वी तक)

CO 1 इकाई प्रथम में छात्र छात्रायें मौर्योत्तर काल जिनमें मुख्य रुप से शुंग, सातवाहन, शक पार्थियन और कुषाणों के विषय में जानकारी रखेंगें।

CO 2 इकाई द्वितीय छात्र छात्रायें संगम कालीन समाजिक, आर्थिक, राजनितिक व धार्मिक गतिविधियों की जानकारी रखेंगें जिनमें मुख्यरुप से चोल,चेर और पाण्डय राजवशं हैं।

CO 3 इकाई तृतीय में छात्र छात्रायें गुप्त साम्राज्य- राजनीतिक , सामाजिक, आर्थिक, धार्मिक, एवं प्रशासनिक स्थिति, कला और स्थापत्य कला, साहित्य, विज्ञान और तकनीकी के विभिन्न आयामों को समझेंगें।

CO 4 इकाई चतुर्थ में छात्र छात्रायें हर्षवर्धन प्रशासन एवं उपलब्धियां, समकालीन समय में बौद्ध धर्म ,नालंदा विश्वविद्यालय, ह्वेनसांग के विषय मे जानकारी प्राप्त करेंगें।

CO 5 इकाई पंचम में छात्र छात्रायें राजपूतों का उद्भव एवं विकास, राजनीतिक , आर्थिक और सामाजिक स्थिति के विषय में जानकारी रखेंगें।

CO 6 इकाई छटवीं में छात्र छात्रायें गुर्जर प्रतिहार ,पाल और राष्ट्रकूट राजवंश, राजनीतिक, आर्थिक और सामाजिक स्थिति, त्रिपक्षीय संघर्ष की गतिविधियों की जानकारी रखेंगें।

CO 7 इकाई सातवीं में छात्र छात्रायें पल्लव और चालुक्य राजवंश, राजनीतिक, सामाजिक, आर्थिक और सांस्कृतिक स्थिति के विभिन्न आयामों को समझेंगें।

Dr. Mahesh Chandra Arya
IQAC/NAAC Coordinator
BSR Rajkiya Mahavidhyalaya
Rikhnikhal (Pauri Garhwal)

प्राचार्य
भारत सिंह रावत
राजकीय महाविद्यालय रिखणीखाल
पौड़ी गढ़वाल

CO 8 इकाई आठवीं में छात्र छात्रायें विदेशी आक्रमण अरब, गजनवी, और गौरी राजपूतों के पराजय के कारण. की जानकारी प्राप्त करेंगें।

बी0 ए0 द्वितीय वर्ष

प्रथम पेपर **प्रश्न पत्र** भारत का इतिहास (1206 ईस्वी से 1707 ईस्वी तक)

CO 1 इकाई **प्रथम में छात्र छात्रायें मध्यकालीन** भारतीय इतिहास के अध्ययन के स्रोतों के बारे में एक महत्वपूर्ण जागरूकता विकसित करेंगे।

CO 2 इकाई द्वितीय में छात्र छात्रायें दिल्ली सल्तनत स्थापना ,प्रभाव ,एवं विस्तार ,ममलूक, खिलजी , तुगलक , सैयद और लोधी राजवंश इनका प्रशासन,नीतियां और दिल्ली सल्तनत का पतन की जानकारी प्राप्त करेंगें।

CO 3 इकाई तृतीय में छात्र छात्रायें भक्ति आंदोलन और सूफीवाद, कारण एवं समाज पर इनका प्रभाव को समझ सकेंगें

CO 4 इकाई चतुर्थ में छात्र छात्रायें बिजयनगर और बहमनी साम्राज्य के धार्मिक व गतिविधियों की जानकारी रखेंगें।

CO 5 इकाई पंचम में मुगलों का भारत आगमन, बाबर ,हुमायूं ,अकबर, जहांगीर ,शाहजहां और औरंगजेब इनका प्रशासन और उनके कार्य व पतन के कारणों को समझ सकेंगें।

CO 6 इकाई छठवीं में छात्र छात्रायें मुगल और राजपूत मुगलों की धार्मिक नीति मनसबदारी और जागीर प्रथा का समाज के प्रति योगदान को समझेंगें।

CO 7 इकाई सातवीं में छात्र छात्रायें शेरशाह सूरी, विजय प्रशासन और भूमि सुधार को समझेंगें।

CO 8 इकाई आठवीं में छात्र छात्रायें मराठा शक्ति का उदय और शिवाजी के पतन के कारणों को समझ सकेंगें।

द्वितीय पेपर **प्रश्न पत्र** विश्व का इतिहास : (1453 ईसा से 1815 ईसवी तक)

CO 1 इकाई प्रथम में छात्र छात्रायें सामंतवाद का पतन एवं पतन के कारण , यूरोप में प्रारंभिक आधुनिक युग का आरंभ के विषय में जानकारी प्राप्त करेंगें।

CO 2 इकाई द्वितीय छात्र छात्रायें सें पुनर्जागरण एवं धर्म सुधार आंदोलन, वाणिज्यवाद, वैज्ञानिक एवं कृषि क्रांति की जानकारी रखेंगें हैं।

Dr. Mahesh Chandra Arya
IQAC/NAAC Coordinator
BSR Rajkiya Mahavidhyalaya
Rikhnikhal (Pauri Garhwal)

प्राचार्य
भारत सिंह रावत
राजकीय महाविद्यालय रिखणीखाल
गौड़ी गढ़वाल

CO 3 इकाई तृतीय में छात्र छात्रायें 30 वर्षीय युद्ध, कारण प्रकृति एवं प्रभाव के विभिन्न आयामों को समझेंगें।

CO 4 इकाई चतुर्थ में छात्र छात्रायें इंग्लैंड में गौरवशाली क्रांति 1688 कारण एवं परिणाम के विषय मे जानकारी प्राप्त करेंगें।

CO 5 इकाई पंचम में छात्र छात्रायें औद्योगिक क्रांति के विकास, राजनीतिक, आर्थिक और सामाजिक स्थिति के विषय में जानकारी रखेंगें।

CO 6 इकाई छटवीं में छात्र छात्रायें अमेरिकी क्रांति 1776 कारण एवं परिणाम, मानव के अधिकारों की घोषणा की गतिविधियों की जानकारी प्राप्त करेंगें।

CO 7 इकाई सातवीं में छात्र छात्रायें फ्रांस की क्रांति 1789 कारण एवं प्रभाव , इस क्रांति में दार्शनिकों की भूमिका नेशनल असेंबली अथवा राष्ट्रीय सभा, नेशनल कन्वेंशन और फ्रांस में डायरेक्टरी का शासन के विभिन्न आयामों को समझेंगें।

CO 8 इकाई आठवीं में छात्र छात्रायें नेपोलियन बोनापार्ट के विषय में जानकारी प्राप्त करेंगें।

बी0 ए0 तृतीय वर्ष

पेपर प्रथम भारत का इतिहास (1707 से 1947 ईसवी तक)

CO 1 इकाई प्रथम में छात्र छात्रायें मुगल साम्राज्य के पतन और क्षेत्रीय शक्तियों के उदय के करण की जानकारी प्राप्त करेंगें।

CO 2 इकाई द्वितीय में ईस्ट इंडिया कंपनी की स्थापना एवं विस्तार, बंगाल, मैसूर, अवध, मराठा, और पंजाब राज्य, सहायक संधि के विषय में जानकारी प्राप्त करेंगें।

CO 3 इकाई तृतीय में छात्र छात्रायें साम्राज्यवादी शासन में अर्थव्यवस्था में परिवर्तन, भूमि कर व्यवस्था एवं औद्योगिकीकरण आदि व उनसे पर होने वाले परिवर्तनों की जानकारी प्राप्त करेंगें।

CO 4 इकाई चतुर्थ में छात्र छात्रायें 1857 का विद्रोह कारण ,प्रकृति एवं परिणाम की जानकारी रखेंगें।

Dr. Mahesh Chandra Arya
IQAC/NAAC Coordinator
GSR Rajkiya Mahavidhyalaya
Rikhnikhal (Pauri Garhwal)

प्राचार्य
भारत सिंह रावत
राजकीय महाविद्यालय रिखणीखाल
पौड़ी गढ़वाल

CO 5 इकाई पंचम : विक्टोरिया घोषणा पत्र और 1858 का अधिनियम, राष्ट्रवाद का उदय और विकास प्रक्रिया को समझ सकेंगें

CO 6 इकाई छठवीं में छात्र छात्रायें भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस उद्भव ,उदारवादी एवं अतिवादी या उग्रवादी 1909 और 1919 का अधिनियम , होम रूल आन्दोलनों का समाज के प्रति योगदान को समझेंगें।

CO 7 इकाई सातवीं में छात्र छात्रायें गांधीवादी आंदोलन- असहयोग, सविनय अवज्ञा और भारत छोड़ो, खिलाफत आंदोलन, साइमन कमीशन ,गांधी और इरविन समझौता सांप्रदायिक निर्णय और गोलमेज सम्मेलन को समझेंगें।

CO 8 इकाई आठवीं में छात्र छात्रायें : सांप्रदायिकता और भारत विभाजन के कारणों को समझ सकेंगें।

द्वितीय पेपर विश्व का इतिहास (1815 ईसवी से 1945 ईसवी तक)

CO 1 इकाई प्रथम में छात्र छात्रायें : वियना कांग्रेस ,यूरोप की संयुक्त व्यवस्था ,मैटर निक, 1830 एवं 1848 की क्रांतियां के विषय में जानकारी रखेंगें।

CO 2 इकाई द्वितीय छात्र छात्रायें 1832 के सुधार और इंग्लैंड में चार्टिस्ट आन्दोलनों की गतिविधियों की जानकारी प्राप्त करेंगें।

CO 3 ईकाइ तृतीय में छात्र छात्रायें अमेरिका का के गृहयुद्ध के विभिन्न आयामों को समझेंगें।

CO 4 इकाई चतुर्थ में छात्र छात्रायें इटली का एकीकरण व जर्मनी का एकीकरण के विषय मे जानकारी प्राप्त करेंगें।

CO 5 इकाई पंचम में छात्र छात्रायें प्रथम विश्वयुद्ध के कारण एवं प्रभाव व पेरिस शांति सम्मेलन की स्थिति के विषय को समझेंगें।

CO 6 इकाई छटवीं में छात्र छात्रायें : रूस की क्रांति 1917की गतिविधियों की जानकारी रखेंगें।

Dr. Mahesh Chandra Arya
IQAC/NAAC Coordinator
BSR Rajkiya Mahavidhyalaya
Rikhnikhal (Pauri Garhwal)

प्राचार्य
भारत सिंह रावत
राजकीय महाविद्यालय रिखणीखाल
पौड़ी गढ़वाल

CO 7 इकाई सातवीं में छात्र छात्रायें **फासीवाद और नाजीवाद** के विभिन्न सामाजिक आयामों को समझेंगें।

CO 8 इकाई आठवीं में छात्र छात्रायें द्वितीय **विश्वयुद्ध** के **कारण एवं परिणाम** व **संयुक्त राष्ट्र संघ** के कार्यो की जानकारी प्राप्त करेंगें।

Dr. Mahesh Chandra Arya
IQAC/NAAC Coordinator
BSR Rajkiya Mahavidhyalaya
Rikhnikhal (Pauri Garhwal)

प्राचार्य
भारत सिंह रावत
राजकीय महाविद्यालय रिखणीखाल
गौड़ी गढ़वाल